प्रकाशनार्थ।

02 अक्टूबर ,2023

युगपुरुष ब्राह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54 वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 9 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत आज आज छठवें दिन ब्रह्मलीन महान जी महाराज एवं ब्रह्मलीन अवैद्यनाथ जी महाराज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थाओं तथा संत जानो की तरफ से। श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा में गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य महंत योगी आदित्यनाथ जी महाराज मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि एक संत का जीवन अपना व्यक्तिगत जीवन नहीं होता। वह देश व धर्म के लिए समर्पित होता है। देश और समाज की आवश्यकता क्या है वही संत की प्राथमिकता है। महंत दिग्विजयनाथ जी ने अपने समय की चुनौतियों के लिए संघर्ष किया । राजस्थान के मेवाड़ के उस कुल से उनका संबंध है जिस राणा कुल ने देश के स्वाभिमान के लिए लड़ते हुए अपना जीवन मातृभूमि को समर्पित कर दिया । उन्होंने यहां पर अनेक धार्मिक राजनीतिक अनुष्ठानों से जुड़कर कर समाज के लिए कुछ नया करने का प्रयास किया। हमारे ऋषि मुनियों के आश्रमों में विज्ञान के शोध होते थे इसलिए राक्षस गण उस पर आक्रमण करते थे। महंत दिग्विजय जी ने गोरक्षपीठ से जुड़कर सबसे पहले शिक्षा पर जोर देते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। एक युवा संत के हृदय में युवा पीढ़ी राष्ट्रभावना से ओत प्रोत हो इसके लिए उन्होंने अपने संस्थानों का विस्तार किया। उनके द्वारा स्थापित शिक्षा परिषद दो विश्वविद्यालय की स्थापना करने के साथ ही चार दर्जन शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना करके राष्ट्र व समाज से जुड़े ज्वलंत चुनौतियों के लिए युवा पीढ़ी को तैयार करने का काम कर रहे है। यह एक नया भारत है। इसमें नेतृत्व का ही नहीं, हम सभी का दायित्व है कि हमें देश के नेतृत्व के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। इसके लिए हमें शिक्षा पर ध्यान देना होगा । राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसके लिए एक संकल्प पत्र है । इसके आधार पर हम देश के साथ-साथ अपने जीवन के सपनों को साकार कर सकते हैं। महंत दिग्विजयनाथ जी ने न केवल शिक्षा में ही अपितु राजनीति के साथ आकर राष्ट्र के अभियान से जुड़े साथ ही बिखरे हुए नाथ योगियो को संगठित करने के लिए योगी महासभा का गठन किया। देश के उत्थान के लिए उन हर सभी आंदोलन से जुड़कर उन्होंने कार्य किया जिनके द्वारा समाज व राष्ट्र नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रही हो। अपने पूर्वजों के लिए हम भारतीय पूरे 15 दिन कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। इसलिए हमसे अच्छा अपने महापुरुषों के प्रति भाव को कौन समझ सकता है । हम उनके मूल्यों व आदर्शो पर चलते हुए उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जगद्गुरु रामानंदाचार्य डॉ राजकमल दास वेदांती जी महाराज ने राम जन्मभूमि आंदोलन से संबंधित महंत अवैद्यनाथ जी महाराज के स्मृतियों को सझा करते हुए कहा कि यह दोनों महापुरुष एक योग्य गुरु थे ये योग्य शिष्यों को पहचान लेते थे। किस व्यक्ति में योग्यता वे देखते ही पहचान लेते थे। मैं दोनों महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

अयोध्या से पधारे महंत कमलनयन दास जी महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी व ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी ने रामजन्म भूमि तथा हिंदुत्व के लिए आगे आकर नेतृत्व किया। आज उनके संकल्प तथा तपस्या के फल स्वरुप आज श्रीराम जी का भव्य मंदिर बन रहा है। यह उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। जूनागढ़ गुजरात से पधारे महंत शेरनाथ बापू जी ने कहा कि पूज्य महंतद्वय ने शिक्षा तथा चिकित्सा के माध्यम से समाज को अदभुत योगदान दिया। मैं योगी महासभा की तरफ से पूज्य दोनों ब्रह्मलीन महापुरुषो को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।
जबलपुर से पधारे महंत नरसिंह दास जी महाराज ने कहा कि जिस दिन राजसत्ता के शिखर पर धर्म सत्ता बैठेगी उसीदिन भारत विश्व गुरु बनजाएगा। ब्रह्मलीन युगपुरुष महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी ने राष्ट्र को उन्नत करने के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य सहित सभी आयामों पर कार्य किया है, जिस प्रकार सागर में स्नान करने से सभी तीर्थ का फल मिलता है उसी प्रकार से पूज्य संत जन का दर्शन करने से सभी तीर्थ का फल मिलता है। मैं पूज्य दोनों महाराज श्री के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। गाजियाबाद से पधारे स्वामी नारायण गिरी जी महाराज ने कहा कि पूज्य दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगाई और पूज्य अवेद्यनाथ जी ने सामाजिक समरसता के साथ हिंदू जागरण के लिए प्रयास करते रहे। आज योगी आदित्यनाथ जी के रूप में पूज्य दिग्विजयनाथ जी का दर्शन होता है जो कि उनके सपनों को साकार कर रहे हैं। अयोध्या से पधारे जगतगुरु स्वामी श्री दिनेशाचार्य जी महाराज ने कहा कि गुरु की महिमा का वर्णन करना कठिन होता है। मां अपनी गोद में बैठाती है पिता कंधों पर बैठता है किंतु गुरु सर्वप्रथम अपने शिष्य को स्वयं के पैरों पर खड़ा होना सिखाता है। मैं दोनों महापुरुषों के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो उदय प्रताप सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की यात्रा 1932 से प्रारंभ हुई। धीरे-धीरे हम आगे बढ़ते गए आज लगभग पांच दर्जन संस्थाएं हो गई हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न आयामों से संबंधित है। इन 91 वर्षों में परिषद द्वारा दो विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना में हमारा सहयोग है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी ने मैकाले की शिक्षा नीति से लड़ाई लड़ने के लिए इसकी स्थापना की, बाद में वामपंथी विचारधारा से भी शिक्षा परिषद ने लड़ाई लड़ी। आज हम नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को आदर्श रूप में लागू करने के लिए प्रयासरत है। राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ने इस शिक्षा परिषद को अपेक्षाओं के अनुरुप पुष्पित व पल्लवित किया। आज इस अवसर पर मैं उन दोनों महापुरुषों के चरणों में अपनी व शिक्षा परिषद की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेई ने कहा कि शिक्षा परिषद के द्वारा स्थापित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अपने स्थापना दिवस से लेकर नित नई सफलता को प्राप्त कर रहा है। मात्र 2 वर्षों में संस्था ने चिकित्सालय के साथ ही कई नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किया है। गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ के निदेशक ब्रिगेडियर डॉ दीपचंद ठाकुर ने कहा कि ब्रह्मलीन महंतद्वय के ऊपर बोलना सूर्य को दीपक दिखाने जैसा है।

गुलाम भारत में शिक्षा को लेकर क्रांतिलाई जिसमें आज शिक्षा एवं चिकित्सा से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में संस्थाएं कार्य कर रहे हैं। महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस गोरखपुर के छात्राओं ने सरस्वती वंदना तथा श्रद्धांजलि गीत प्रस्तुत किया। वैदिक मंगलाचरण डॉ अश्वनी त्रिपाठी , गोरक्ष अष्टक पाठ गौरव तिवारी व आदित्य पांडे, दिग्विजय स्त्रोत पाठ डॉ अभिषेक पांडे तथा संचालन माधवेंद्र राज ने किया । इस अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य श्री रामजन्म सिंह की पुस्तक "आओ लौट चलें" का विमोचन मंचासीन अतिथिगण द्वारा हुआ। महाराणा प्रताप शिक्षण परिषद की संस्थाओं के श्रद्धांजलि के क्रम में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार के तरफ से कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई, गुरु श्री गोरखनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ से ब्रिगेडियर डॉ दीपचंद ठाकुर, महंत दिग्विजय नाथ आयुर्वेद चिकित्सालय, गुरु गोरखनाथ आयुर्वेद कॉलेज तथा महंत गोपाल दास सेवा आश्रम छात्रावास की तरफ से डॉ मंजूनाथ एन एफ , गुरु श्री गोरखनाथ कॉलेज आफ नर्सिंग तथा मां पाटेश्वरी महिला सेवा आश्रम छात्रावास की तरफ से ममता, महंत दिग्विजयनाथ आयुर्वेद चिकित्सालय से डॉ डी पी सिंह , दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज सिविल लाइंस प्राचार्य डॉ ओपी सिंह, महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगलधूषण, महंत अवेद्यनाथ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा योगराज बाबा गंभीर नाथ निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र जंगल धूसड़ की तरफ से डॉ विजय कुमार चौधरी, महाराणा प्रताप महिला पीजी कॉलेज राम ।दत्तपुर तथा महाराणा प्रताप कन्या इंटर कॉलेज रामदत्त पुर की तरफ से प्राचार्य डॉ सीमा श्रीवास्तव, श्री गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय,श्री गोरखनाथ संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय तथा श्री गोरखनाथ संस्कृत छात्रावास की तरफ से डॉ अरविंद चतुर्वेदी, दिग्विजय नाथ एल टी प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइंस से डॉ अजय कुमार पांडे, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक तथा महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक छात्रावास से मेजर डॉ पाटेश्वरी सिंह, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज सिविल लाइंस से डॉ अरुण कुमार सिंह, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज तथा महाराणा प्रताप चिल्ड्रन अकैडमी सिविल लाइन से राधारानी पांडे , महाराणा प्रताप सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंगला देवी मंदिर बेतिया हाता से पंकज कुमार , महाराणा प्रताप कृषक इंटर कॉलेज तथा महाराणा प्रताप प्राथमिक विद्यालय जंगल भूषण से डॉ व्यास मुनि मिश्र, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइंस से शीलम बाजपेई, प्रताप आश्रम गोलघर से अभय प्रताप सिंह, दिग्विजय नाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन से डॉ सुनीता सिंह, योगीराज बाबा गंभीर नाथ सेवा आश्रम समिति जंगल दूसरा से विनय कुमार सिंह, महायोगी श्री गोरखनाथ योग संस्थान तथा गुरु गोरखनाथ सेवा संस्थान की तरफ से योगी

सोमनाथ जी महाराज, गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ महाविद्यालय, दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज , दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय तथा दिग्विजय नाथ बालिका इंटर कॉलेज चौक बाजार महाराजगंज की तरफ से जगदंबिका सिंह, गुरु गोरक्षनाथ विद्यापीठ भारोहिया पीपीगंज से अंशुमाली वर्मा, दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज चौक माफी पीपीगंज से आशुतोष कुमार त्रिपाठी, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र चौक माफी पीपीगंज से डॉ अजीत कुमार श्रीवास्तव, आदि शक्ति मां पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल भावनियापुर तुलसीपुर तथा आदिशक्ति पाटेश्वरी विद्यापीठ नंदम्हरी बलरामपुर से डॉ डी पी सिंह तथा दुल्हन जगन्नाथ कुंवरि इंटरमीडिएट कॉलेज टेकुवाटार कुशीनगर तथा श्री गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ मैदागिन वाराणसी से मनीष कुमार पांडेय ने श्रद्धांजलि दिया। इस अवसर पर जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ,महंत सुरेश दास जी महाराज, हरिद्वार से पधारे योगी चेताईनाथ जी महाराज, महंत लालनाथ जी, गुजरात के महंत कमलनाथ जी, महंत गंगादास जी महाराज, महंत राममिलन दास जी, महामंडलेश्वर महंत संतोष दास जी सातुवा बाबा, महंत मिथलेशनाथ जी, महंत रवींद्रदास जी, सांसद रवि किशन ,सांसद कमलेश पासवान ,भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष व एम एल सी डॉ धर्मेंद्र सिंह , क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, जिला अध्यक्ष युधिष्ठिर सिंह,महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव,विधायक प्रदीप शुक्ला जिला प्रभारी अजय सिंह गौतम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

युगपुरुष ब्राह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 54 वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 9 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में हुए श्रद्धांजलि कार्यक्रम के क्रम में चौक बाजार महाराजगंज की तीनों संस्थानों में कटक उड़ीसा से महंत शिवनाथ जी तथा प्रयागराज से श्री ज्योतिष मणि त्रिपाठी जी , गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ भरोहिया पीपीगंज में श्री विद्या चैतन्य जी महाराज व प्रो रवि शंकर सिंह, भौतिक विज्ञान दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर , महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज गोरखपुर में प्रो शांतनु रस्तोगी ,डीन फैकल्टी आफ साइंस ,दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज सिविल लाइंस में डॉ आध्या प्रसाद द्विवेदी, पूर्व संकायाध्यक्ष पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, महाराणा प्रताप सीनियर सेकेंडरी स्कूल मंगला देवी मंदिर बेतियाहाता में प्रो राजेंद्र भारती, पूर्व आचार्य, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खडवासला, महाराणा प्रताप बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइन में प्रो शोभा गौड़ विभागाध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, महाराणा प्रताप महिला

महाविद्यालय तथा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज रामदत्तपुर गोरखपुर की दोनो संस्थानों में डॉ शशि प्रभा सिंह दिग्विजय नाथ पीजी कॉलेज गोरखपुर, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक गोरखपुर मे डॉ वेद प्रकाश पांडे ,पूर्व प्राचार्य किसान पीजी कॉलेज सेवरही, दुल्हिन जगन्नाथ कुवरि इंटर कॉलेज टेकुआटार कुशीनगर में डॉ सुनील कुमार सिंह डीन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर, महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड में प्रो द्वारिका नाथ पूर्व अध्यक्ष दर्शन शास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, महाराणा प्रताप कृषक इंटर कालेज जंगल धूसड में डॉ शैलेश कुमार सिंह ,विधि विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, देवीपाटन बलरामपुर की संस्थाओं में प्रो जेपी पांडे ,प्राचार्य एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर, दिग्विजयनाथ इंटर कॉलेज चौक माफी पीपीगंज में प्रो शैलेंद्र श्रीवास्तव ,पूर्व प्राचार्य, महात्मा गांधी पीजी कॉलेज गोरखपुर, दिग्विजय नाथ एल.टी. महाविद्यालय सिविल लाइंस में प्रो विनोद सिंह विभाग अध्यक्ष रक्षा अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर ने संस्थाओं में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में अपना व्याख्यान दिया जिसमें संस्थाओं के सभी अध्यापक ,कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।